नवोन्मेष
रुक्टा (राष्ट्रीय)

राजस्थान विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)
(अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ से संबद्ध)

website: www.ructarashtriya.org **Email:** info@ructarashtriya.org, ructarashtriya@gmail.com

केन्द्रीय कार्यालय : देराश्री शिक्षक सदन, राजस्थान विश्वविद्यालय परिसर, जयपुर-302004
प्रधान कार्यालय : सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर-305001 (राज.)
अध्यक्ष : डॉ. दिग्विजयसिंह शेखावत, बीकानेर मो. 9414452369, 9983007575
महामंत्री : डॉ. नारायणलाल गुप्ता, अजमेर मो. 9414497042

परिपत्र क्रं. : रुक्टा (रा.)/2015-16/02 भाद्रपद सुदी ९ वि. स. २०७२ तदनुसार 22 सितम्बर, 2015
(सभी इकाई सचिवों एवं सक्रिय सदस्यों को समस्त सदस्यों में प्रसारित करने के अनुरोध सहित प्रेषित)

प्रिय महोदय/महोदया,

सादर नमस्कार।

पिछले परिपत्र के पश्चात् माननीय उच्च शिक्षा मंत्रीजी एवं विभाग के अधिकारियों से भेंट के विवरण, प्रदेश भर में सम्पन्न गुरु-वंदन कार्यक्रमों की जानकारी, प्रदेश कार्यकारिणी बैठक के विवरण एवं आगामी कार्यक्रमों की सूचना सहित संगठन की अन्य गतिविधियों के साथ यह परिपत्र प्रस्तुत है।

शिक्षक समस्याओं के संबंध में संगठन की गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

1. **माननीय उच्च शिक्षा मंत्रीजी से भेंट** - संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने दिनांक 7 अगस्त एवं 6 सितम्बर को शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए उच्च शिक्षा मंत्रीजी से भेंट की। संगठन की ओर से पदनाम परिवर्तन में वित्त विभाग द्वारा की गई आपत्तियों के स्पष्टीकरण में पदनाम परिवर्तन से संबंधित वित्तीय एवं अकादमिक तथ्यों को आवश्यक दस्तावेजों के साथ रखा गया। उच्च शिक्षा मंत्रीजी ने बताया कि इस संबंध में उनकी मुख्यमंत्रीजी से वार्ता हुई है तथा वित्त विभाग की आपत्तियों के निस्तारण के लिए वे स्वयं पुनः मुख्यमंत्रीजी के समक्ष संगठन द्वारा उपलब्ध कराए गए तथ्यों को रख कर प्रक्रिया को गति देंगे। व्याख्याताओं के कॅरियर एडवान्समेंट स्कीम तथा प्राचार्यों एवं उपाचार्यों की डी.पी.सी. भी अतिशीघ्र करवाने का आश्वासन मंत्रीजी द्वारा दिया गया। संगठन द्वारा 30 जून 2013 तक ड्यू पे-बैंड-4 के आदेशों में बिना वजह देरी करने पर रोष भी व्यक्त किया जिस पर मंत्रीजी ने आयुक्त कॉलेज शिक्षा को इस संदर्भ में शीघ्र आदेश प्रसारित करने के फोन पर निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त बड़े महाविद्यालयों को विखंडित करने के उपरांत अभी तक सुचारू व्यवस्था नहीं किये जाने पर मंत्रीजी का ध्यान दिलाया गया तथा मांग की गई कि विखंडित महाविद्यालयों को शीघ्र स्वंतत्र रूप से चलाने की समुचित व्यवस्थाएं की जाए अथवा इनका पुनः एकीकरण कर दिया जावे। मंत्रीजी ने इस संबंध में शीघ्र निर्णय लेने का मंतव्य प्रकट किया। पूर्व सेवा का लाभ, पीएचडी के प्रोत्साहन लाभ, निदेशक अकादमिक पद पर शिक्षक की नियुक्ति, पूर्व सेवा का लाभ देते समय संतोषजनक एसीआर के आधार पर चयनित वेतनमान देने, पीएचडी कोर्स वर्क से छूट देने अथवा अध्ययन अवकाश की व्यवस्था करने, आरवीआरईएस शिक्षकों की लंबित समस्याओं को हल करने सहित अन्य समस्याओं पर प्रगति एवं विस्तृत चर्चा हेतु

मंत्रीजी से उनकी अध्यक्षता में विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक रखने का आग्रह संगठन ने किया। इस पर मंत्रीजी ने विधानसभा सत्र के पश्चात् अधिकारियों को संगठन की मांगों पर विस्तृत तैयारी के साथ बैठक करने के निर्देश प्रदान किये।

2. **आयुक्त कॉलेज शिक्षा से भेंट** - संगठन के प्रतिनिधि मंडल ने 6 सितम्बर को आयुक्त कॉलेज शिक्षा से भेंट कर महाविद्यालय शिक्षकों की आयुक्तालय स्तर पर लंबित समस्याओं के शीघ्र समाधान का आग्रह किया। आयुक्त कॉलेज शिक्षा ने पात्र शिक्षकों को पे-बैंड-4, आर.वी.आर.ई.एस. व्याख्याताओं के छठे वेतनमान के एरियर, सी.ए.एस. के लाभ तथा ऐसी समस्याएं जिन्हें आयुक्तालय स्तर पर ही निपटाया जाना है, शीघ्र निपटाने हेतु संबंधित अधिकारियों को कार्यालय प्रक्रिया तीव्र करने के निर्देश दिये।

3. **परिवीक्षा काल में कार्यरत व्याख्याताओं का मानदेय संशोधित** - मुख्यमंत्रीजी द्वारा राज्य सेवा में परिवीक्षा काल में कार्यरत कर्मचारियों व अधिकारियों के मानदेय में वृद्धि की घोषणा के अनुरूप महाविद्यालय में कार्यरत प्रोबेशनर व्याख्याताओं के मानदेय में वृद्धि करने की संगठन ने मांग की थी। संगठन के प्रयासों से राज्य सरकार ने आदेश क्रमांक F9(3)FD/Rules/2010 दिनांक 2 जुलाई 2015 के द्वारा परिवीक्षाकाल में कार्यरत महाविद्यालयों शिक्षकों, पुस्तकालाध्यक्षों एवं शारीरिक शिक्षकों का नियत मानदेय 1 सितम्बर 2014 से 21840 एवं 1 जुलाई 2015 से 24030 रुपये करने के आदेश प्रसारित कर दिये हैं।

4. **राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर द्वारा पारिश्रमिक वृद्धि** - संगठन द्वारा लम्बे समय से विश्वविद्यालय परीक्षा कार्य हेतु देय पारिश्रमिक में वृद्धि की मांग की जा रही थी। जिसकी क्रियान्विति में गत सत्र 2014-15 से अनेक विश्वविद्यालयों में परीक्षा संबंधी सभी कार्यों के लिए देय पारिश्रमिक दरों में वृद्धि की गई। कुछ विश्वविद्यालयों द्वारा पारिश्रमिक नहीं बढ़ाया गया था अथवा वृद्धि समान नहीं थी। इस संदर्भ में संगठन ने राज्यपाल महोदय से सभी विश्वविद्यालयों के पारिश्रमिक में एकरूपता लाने का आग्रह किया था। माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा इस संदर्भ में निर्देश जारी करने से इस संबंध में क्रियान्वयन प्रारम्भ हुआ है। राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर द्वारा अन्य विश्वविद्यालयों के समान ही परीक्षा पारिश्रमिक दरों में वृद्धि कर दी गई है।

5. **प्राचार्य सम्मेलन में प्रमुख शासन सचिव (उच्च शिक्षा) द्वारा किए गए दुर्व्यवहार की निंदा** - 3 अगस्त 2015 को जयपुर में राजकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों के सम्मेलन में प्रमुख शासन सचिव उच्च शिक्षा श्री पवन कुमार गोयल द्वारा प्राचार्यों पर बेबुनियाद आरोप लगाते हुए उनके साथ दुर्व्यवहार किया। संगठन के संज्ञान में आते ही 4 अगस्त 2015 को उच्च शिक्षा मंत्रीजी को पत्र लिख कर एवं 7 अगस्त को व्यक्तिशः मिलकर प्राचार्य सम्मेलन में श्री गोयल के निरकुंश एवं गैर जिम्मेदाराना व्यवहार की निंदा की गई तथा शिक्षकों की भावनाओं को उनके समक्ष रखते हुए श्री गोयल को भविष्य में संयमित व्यवहार रखने के निर्देश देने का आग्रह किया। उच्च शिक्षा मंत्रीजी ने पूरे प्रकरण को गंभीरता से सुनकर इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही करने एवं भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न होने का आश्वासन संगठन को दिया।

6. **जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर की संवैधानिक कमेटियों में सम्बद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों को प्रतिनिधित्व देने के लिए अध्यादेश संशोधन हेतु कमेटी गठित** - जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर, जो पूर्व में परिसर विश्वविद्यालय था, को 2012 में संभागीय विश्वविद्यालय का दर्जा देकर जोधपुर के निकटवर्ती जिलों के महाविद्यालयों को इससे संबंद्ध कर दिया गया था। संगठन उसी समय से विश्वविद्यालय अध्यादेश में संशोधन की मांग कर रहा था जिससे अन्य विश्वविद्यालयों की

भांति जोधपुर विश्वविद्यालय की सिंडीकेट, सीनेट एवं अन्य कमेटियों में संबद्ध महाविद्यालयों के शिक्षकों का प्रतिनिधित्व हो सके। संगठन के लगातार प्रयासों से जोधपुर विश्वविद्यालय के कुलपति ने सम्बद्ध महाविद्यालय शिक्षकों को वैधानिक समितियों में प्रतिनिधित्व देने के लिए कमेटी का गठन कर दिया है।

7. **संविदा शिक्षकों हेतु बजट आवंटन** - संगठन द्वारा संविदा पर कार्यरत शिक्षकों के नियमित वेतन भुगतान में लगातार हो रही देरी का विरोध करते हुए वेतन हेतु शीघ्र बजट आवंटन की मांग की गई थी। आयुक्तालय द्वारा सत्र 2015-16 में कार्यरत संविदा व्याख्याताओं के आठ माह के वेतन के भुगतान का बजट आंवटन दो अलग-अलग आदेशों द्वारा कर दिया गया है। संगठन द्वारा संविदा व्याख्याताओं को प्रतिमाह नियमित वेतन समय पर देने तथा यू.जी.सी. द्वारा अनुशंसित न्यूनतम वेतन देने हेतु उच्च शिक्षा मंत्री जी को पुनः आग्रह किया गया है।

8. **1-1-2006 से पूर्व सेवानिवृत्त कॉलेज शिक्षकों, पुस्तकालाध्यक्षों एवं शारीरिक शिक्षकों की पेंशन संशोधन** - 1-1-2006 से पूर्व सेवानिवृत्त ऐसे कॉलेज शिक्षकों, पुस्तकालाध्यक्षों एवं शारीरिक शिक्षकों जिन्होंने सेवानिवृत्ति पूर्व चयनित वेतनमान में 3 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली थी उनका पेंशन नियतन पे-बैंड-4 व ए.जी.पी. 9000 के अनुसार करने की लगातार मांग संगठन राज्य सरकार से करता आया है। राज्य सरकार द्वारा प्रकरण में सकारात्मक रूख नहीं रखने के कारण सेवानिवृत शिक्षक साथियों को माननीय उच्चतम न्यायालय में इस मामले को ले जाना पड़ा। अन्ततः उच्चतम न्यायालय ने न्याय प्रदान करते हुए प्रार्थी शिक्षकों की पेंशन संशोधित करने का निर्णय दिया गया है। संगठन ने पुनः राज्य सरकार से अपील की है कि इस संबंध में प्रार्थी शिक्षकों के समान ही पात्र सभी सेवानिवृत्त शिक्षकों की पेंशन को भी संशोधित की जाय।

9. **पूर्व योजना के बिना महाविद्यालयों को स्वायत्तशासी बनाने का विरोध** - राज्य सरकार द्वारा यू.जी.सी. की 12वीं योजना के अन्तर्गत गंभीर विचार-विमर्श किये बिना ही 35 महाविद्यालयों को स्वायत्तशासी बनाने के प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश संबंधित प्राचार्यों को दिए है। पूर्व में भी कुछ महाविद्यालयों को स्वायत्तशासी बनाया गया था जिससे अनेक कठिनाइयाँ आई थी। पूर्व के अनुभव के आधार पर स्टेकहोल्डर्स शिक्षक, शिक्षार्थियों से गंभीर मंत्रणा किये बिना सीधे ऊपर से आदेश भेजना ठीक नहीं है। अतः सरकार द्वारा सीधे महाविद्यालयों को स्वायत्तशासी बनाने के प्रस्ताव भेजने के आदेश का विरोध करते हुए संगठन ने पूर्ण स्वायत्तता पर विस्तृत विचार विमर्श के बाद ही इच्छुक महाविद्यालयों से प्रस्ताव मांगने का आग्रह किया है।

10. **महाविद्यालयों में सेवानिवृत्त व्याख्याताओं एवं कार्मिकों की सेवाएं संविदा पर लेने की प्रक्रिया प्रारम्भ** - प्रदेश के महाविद्यालयों में व्याख्याताओं एवं मंत्रालयिक कर्मचारियों के रिक्त पदों के कारण शिक्षण व सामान्य कामकाज पर विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। संगठन द्वारा रिक्त पदों को भरने की निरन्तर की गई मांग पर व्याख्याताओं के 1070 पदों एवं मंत्रायलिक संवर्ग के 192 पदों पर भर्ती प्रक्रिया प्रारंभ की जा चुकी है। भर्ती प्रक्रिया में देरी होने से वर्तमान सत्र 2015-16 के शिक्षण व सामान्य कार्य को सुचारु करने हेतु संगठन ने उच्च शिक्षा मंत्री जी से रिक्त पदों को अस्थायी तौर पर भरने की मांग की जिसकी परिणति में आयुक्तालय द्वारा सेवानिवृत्त व्याख्याताओं एवं अशैक्षणिक कर्मियों को रिक्त पदों पर संविदा पर रखने की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी है। आयुक्तालय स्तर पर आवेदन पत्र मंगवाकर संविदा पर नियुक्त करने के स्थान पर संगठन ने इस संबंध में अधिकार प्राचार्य को देने की मांग की है। संगठन को आशा है कि उक्त संविदा नियुक्तियों का कार्य शीघ्र पूर्ण होगा एवं इससे महाविद्यालयों के नियमित कार्य में स्थाई नियुक्तियाँ होने तक आंशिक रूप से सहायता मिल सकेगी।

11. **झुंझुंनु महिला महाविद्यालय में छात्र संघ चुनाव के दौरान दुर्व्यवहार करने वाली उपखण्ड अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही की मांग** - गत 26 अगस्त को राजकीय महिला महाविद्यालय झुंझुंनु में छात्र संघ चुनाव के दौरान स्थानीय उपखण्ड अधिकारी द्वारा महाविद्यालय शिक्षकों के साथ किए गए दुर्व्यवहार व अभद्र भाषा के उपयोग के लिए संगठन द्वारा मुख्य सचिव राजस्थान सरकार, उच्च शिक्षा सचिव एवं कलेक्टर झुंझुंनु को 30 अगस्त 2015 को पत्र भेज कर आवश्यक कार्यवाही की मांग की। संगठन ने मुख्य सचिव को प्रेषित पत्र में स्पष्ट किया कि कतिपय प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा जानबूझकर महाविद्यालय प्रशासन एवं शिक्षकों के साथ दुव्यर्वहार कर शिक्षकों के सम्मान को ठेस पहुचाई जा रही है। यदि जिम्मेदार अधिकारियों पर उचित कार्यवाही नहीं की गई तो संगठन कड़े कदम उठाने को बाध्य होगा।

12. **व्याख्याताओं के 220 और पदों पर भर्ती हेतु अभ्यर्थना की कार्यवाही** - राज्य सरकार द्वारा संगठन की मांग पर पूर्व में 1070 व्याख्याता पदों पर भर्ती हेतु अभ्यर्थना राजस्थान लोक सेवा आयोग को प्रेषित की जा चुकी है। इसी श्रृंखला में संगठन ने सत्र 14-15 तक शिक्षकों की सेवानिवृत्ति एवं अन्य कारणों से रिक्त हो चुके पदों की संख्या अनुरूप भर्ती हेतु पद बढ़ाने की मांग की गई थी। संगठन की मांग के अनुसार राज्य सरकार द्वारा सत्र 2014-15 तक खाली हुए अन्य 220 पदों पर भर्ती हेतु लोकसेवा आयोग को अभ्यर्थना भेजी जा रही है।

सांगठनिक एवं वैचारिक गतिविधियाँ

1. **गुरु-वंदन कार्यक्रम सम्पन्न** - केन्द्र की योजना के अनुरूप रुक्टा (रा.) की इकाईयों द्वारा प्रदेश भर में गुरु-वंदन कार्यक्रम सम्पन्न किये गये। इस अवसर पर आदिगुरु महर्षि वेदव्यास को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए भारत की गुरु-शिष्य परम्परा, उनके बीच पावन संबंध और वर्तमान में उनकी भूमिका पर प्रेरक व्याख्यान आयोजित किए गए। प्रबुद्ध एवं चिंतनशील शिक्षकों/वक्ताओं द्वारा आदि गुरुओं के प्रेरणास्पद आचरण एवं त्याग के उदाहरणों से प्रेरित होकर बेहतर समाज निर्माण की दिशा में कार्य करने की आवश्यकता जताई गई।

   प्रदेश भर से जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, बीकानेर, जैसलमेर, भरतपुर, अजमेर, भीलवाड़ा, ब्यावर, दौसा, कोटपुतली, चूरू, रतनगढ़, सरदारशहर, बून्दी, बांसवाड़ा, झालावाड़, डूंगरपुर, सिरोही, सीकर, अलवर, पाली, खैरवाड़ा, केकड़ी, किशनगढ़, अनूपगढ़, श्रीगंगानगर, बारां, नाथद्वारा, बांदीकुई, चिमनपुरा, बीबीरानी, राजगढ़, गोविन्दगढ़, नसीराबाद, नोहर, भोपालगढ़, झुंझुंनु, नीम का थाना सहित 128 राजकीय महाविद्यालयों में संगठन इकाईयों द्वारा गुरुवंदन कार्यक्रम आयोजित किये गये।

   राज. कन्या महाविद्यालय, अजमेर में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता रा. स्व. संघ के पूर्व क्षेत्र संघचालक प्रो. पुरुषोतम परांजपे ने गुरु शिष्य के पावन संबंधों एवं भारतीय संस्कृति में गुरु के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने गुरु के बताये सद्मार्ग को ही सफल जीवन की कुंजी बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एस. के. जैन ने किया। कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्या डॉ. रेणु शर्मा थी। राज. महाविद्यालय, जयपुर में अ. भा. रा. शै. महासंघ के संगठन मंत्री श्री महेन्द्र कपूर ने अपने पाथेय में शिक्षकों से गुरु बनने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने भारत की पावन गुरु परम्परा का स्मरण दिलाते हुए राष्ट्रहित एवं शिक्षाहित को सर्वोपरि बताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रणवीरसिंह ने किया।

   राज. महाविद्यालय, केकड़ी में विद्या भारती के चित्तौड़ प्रांत मंत्री श्री रामप्रकाश बंसल मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने शिक्षकों से भारतीय गुरु परम्परा का निर्वहन करते हुए समाज एवं राष्ट्र के विकास में सक्रिय सहयोग का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन इकाई सचिव प्रो. पवन चंचल ने किया। राजकीय

राजऋषि महाविद्यालय, अलवर में सूर्यनगर जैन आश्रम के प्रमुख संत श्री विजयमुनि ने व्यवसायिक शिक्षा के साथ भारतीय संस्कृति व संस्कार युक्त शिक्षा को सम्मिलित करने का आग्रह किया। विषय प्रवर्तन संयुक्त मंत्री डॉ. गंगाश्याम गुर्जर ने किया। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. दीपचन्द गुप्ता एवं संचालन डॉ. रामावतार जांगिड़ ने किया।

डूंगर कॉलेज, बीकानेर में मुख्य वक्ता के रूप में रुक्टा (रा.) के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष प्रो. धर्मचंद जैन ने गुरु के महत्त्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षकों को दायित्व बोध कराते हुए नि:स्वार्थ भाव से शिक्षा व समाज के लिए सतत् प्रयासशील रहने हेतु कृत संकल्प रहने का पाथेय प्रदान किया। रुक्टा (रा.) के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह ने भी संगठन स्तर पर सामाजिक दायित्वों के प्रति शिक्षकों को प्रतिबद्ध रहने का आह्वान किया। इकाई सचिव डॉ. मूलचन्द माली ने धन्यवाद ज्ञापित किया तथा संचालन डॉ. इन्द्र सिंह राजपुरोहित ने किया।

राजकीय महाविद्यालय, दौसा में मुख्य वक्तव्य देते हुए अ. भा. रा. शै. महासंघ के अध्यक्ष डॉ. विमल प्रसाद अग्रवाल ने राष्ट्रहित में शिक्षा, शिक्षाहित में शिक्षक और शिक्षक हित में समाज की विचारधारा प्रबल करने की आवश्यकता बताते हुए विद्यार्थियों व शिक्षकों में राष्ट्रीय सोच विकसित करने को प्रेरित किया। विशिष्ट अतिथि डॉ. ओ. पी. गुप्ता ने सनातन परम्परा के वाहक उन भारतीय ग्रन्थों को पुर्नप्रकाशित करने की जरूरत बताई जिन्हें विदेशी आक्रांताओं ने नष्ट कर दिया था। कार्यक्रम में कन्या महाविद्यालय, दौसा के प्राचार्य डॉ. शंकरलाल शर्मा ने भी गुरु शिष्य परम्परा पर प्रकाश डाला। विषय प्रवर्तन इकाई सचिव डॉ. शिवशरण कौशिक ने किया।

राज. महाविद्यालय, कोटा में मुख्यवक्ता विद्याभारती चित्तौड़ प्रान्त के निरीक्षक श्री नवीन झा ने कहा कि हमारा देश ज्ञान की साधना व गुरुत्व की गरिमा का पूजक रहा है। अपने यहाँ त्याग, तप और चरित्र से देश के निर्माण का सूत्रधार गुरु को ही माना गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. टी. सी. लोया ने की। विभाग सचिव डॉ. गीताराम शर्मा ने भी उद्‌बोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आदित्य गुप्ता ने तथा आभार डॉ. एम. जे. ए. खान ने व्यक्त किया।

राजकीय महाविद्यालय, भीलवाड़ा में संगम विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. नटराजन ने संत तिरुवल्लुवर के दोहों से गुरु शिष्य परम्परा की अवधारणा पर प्रकाश डालते हुए भारतीय जनमानस पर अनेक शताब्दियों से गुरु के महत्त्व को प्रतिपादित किया। पूर्व प्राचार्य डॉ. श्याम सुंदर भट्ट ने अपने उद्‌बोधन में गुरु के महत्त्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में प्राचार्यद्वय प्रो. बी. एल. मालवीय एवं प्रो. एम. डी. मूंदड़ा भी मंचस्थ थे।

राजकीय महाविद्यालय, बांसवाड़ा में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. महिपालसिंह राव ने तम्बाकु निषेध का संकल्प कराया। राजकीय कन्या महाविद्यालय, बूंदी में कोटा विभाग के सह सचिव डॉ. राहुल सक्सेना ने भगवान दत्तात्रेय को आदि गुरु बताते हुए कहा कि वे प्रकृति को ही अपना गुरु मानते थे। गुरु का महत्त्व प्रतिपादित करते हुए उन्होंने बताया कि गुरु इहलौकिक व पारलौकिक जीवन की शिक्षा दे कर सद्‌नागरिक तैयार करता है। इसी प्रकार आर. के. पाटनी राज. महाविद्यालय, किशनगढ़ में मुख्य वक्ता प्रो. अनिलकुमार गुप्ता ने गुरु को शिक्षा व संस्कृति का सच्चा संरक्षक बताया। इस अवसर पर प्रो. रामप्रसाद शर्मा, प्रो. एस. के. बंसल एवं प्राचार्य डॉ. आई. एस. सूद ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम संचालन डॉ. ओमप्रकाश शर्मा ने एवं धन्यवाद डॉ. अश्विनी गर्ग ने ज्ञापित किया।

राजकीय एस. बी. के. महाविद्यालय, जैसलमेर में प्राचार्य डॉ. जे. के. पुरोहित ने देव गुरु बृहस्पति और असुर-गुरु शुक्राचार्य की चर्चा करते हुए बताया कि देवगुरु बृहस्पति द्वारा प्रदत्त ज्ञान का देवताओं द्वारा

विकास हेतु उपयोग किया गया, जबकि शुक्राचार्य द्वारा प्रदत्त ज्ञान का प्रयोग असुरों ने विनाश के लिए किया। उन्होंने गुरु प्रदत्त ज्ञान का सामाजिक उत्कर्ष के लिए उपयोग करने का आह्वान किया। विषय प्रवर्तन विभाग सचिव प्रो. नेमीचन्द गर्ग ने किया।

राजकीय लोहिया महाविद्यालय, चुरु में रुक्टा (रा.) के संगठन मंत्री डॉ. ग्यारसीलाल जाट ने अपने उद्‌बोधन में शिक्षकों को कर्तव्यनिष्ठ होकर सामाजिक अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए महाविद्यालय परिसर से बाहर जनमानस को भी रचनात्मक नेतृत्व प्रदान करने का आह्वान् किया। विभागीय सचिव डॉ. चेतन जोशी ने माँ को श्रेष्ठ गुरु बताते हुए माँ की तरह विद्यार्थियों को ममत्व पूर्वक तराशने हेतु कहा। प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. एस. डी. सोनी ने जीवन के कठिन मोड़ पर राह दिखाने वाले को सच्चा गुरु बताया। इस अवसर पर प्रो. लक्ष्मी नारायण आर्य, डॉ. कमल सिंह कोठारी ने भी विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम संचालन डॉ. भवानीशंकर शर्मा ने किया एवं आभार डॉ. महावीर सिंह ने व्यक्त किया।

राजकीय मीरा कन्या महाविद्यालय, उदयपुर में मुख्य वक्ता के रूप में संगठन महामंत्री ने सनातन भारतीय परम्परा में गुरु के महत्त्व को रेखांकित किया तथा वर्तमान में शिक्षकों से अपने दायित्व निर्वहन हेतु त्याग व प्रेरणास्पद आचरण अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य ने की। संचालन प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. सुदर्शन राठौड़ ने किया तथा धन्यवाद डॉ. अशोक सोनी ने दिया। राज. महाविद्यालय, पुष्कर में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. ए. के. अरोड़ा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अशोक तंवर ने एवं संचालन डॉ. ऋतु सारस्वत ने किया।

जी. डी. राज. कन्या महाविद्यालय, अलवर में मुख्य वक्ता रा. स्व. संघ के सह विभाग कार्यवाह श्री अशोक गुप्ता ने गुरु पूर्णिमा को भारतीय संस्कृति की पहचान बताते हुए गुरु को बंधन से मोक्ष की राह दिखाने वाला बताया। मुख्य अतिथि रा. स्व. संघ के विभाग संघचालक श्री कृष्ण कुमार गुप्ता ने शिक्षा का लक्ष्य चरित्र निर्माण बताते हुए युवा विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति पर गर्व करने को प्रेरित किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आंचल मीणा, विषय प्रवर्तन डॉ. धनंजय सिंह एवं आभार प्रदर्शन डॉ. कर्मवीर सिंह ने किया। राजकीय कला महाविद्यालय, अलवर में भी श्री कृष्ण कुमार गुप्ता ने मुख्य अतिथि के रूप में पाथेय प्रदान किया तथा शिक्षकों को भारतीय संस्कृति का सशक्त संवाहक बन नयी पीढ़ी तक सनातन संस्कृति का वाहक बनने की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. शशिकांत शर्मा ने की।

श्री कल्याण राजकीय महाविद्यालय, सीकर में आयोजित गुरु वन्दन कार्यक्रम में मुख्य वक्ता संस्कृत महाविद्यालय, सीकर के प्राचार्य डॉ. किशनलाल उपाध्याय ने गुरु शिष्य के पवित्र संबंध के तादात्म्य से राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने का पाथेय प्रदान किया। अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. जी. एस. कलवानिया ने की। राज. कन्या महाविद्यालय बांसवाड़ा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य विषय विभाग अध्यक्ष प्रो. महिपाल सिंह ने रखा। राज. महाविद्यालय बयाना में प्राचार्य एम.सी. यादव की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. जितेन्द्र कुमार रहे। आभार प्रो. महेन्द्र कुमार ने किया।

रामेश्वरी देवी कन्या महाविद्यालय, भरतपुर में आयोजित गुरु-वंदन कार्यक्रम में मुख्य वक्तव्य डॉ. राजलक्ष्मी गौतम ने दिया। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. अशोक बंसल ने की। कार्यक्रम संचालन इकाई सचिव डॉ. रजनी वशिष्ठ ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. रेखा शर्मा ने किया। राज. महाविद्यालय, बांदीकुई में आयोजित संगोष्ठी में मुख्यवक्ता प्रो. जे. पी. गुर्जर रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. प्यारेलाल ने की। आभार विभाग अध्यक्ष डॉ. हनुमान सहाय कुम्हार ने व्यक्त किया।

राजकीय महाविद्यालय रतनगढ़ में आयोजित गुरु-वंदन कार्यक्रम में संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह ने गुरु की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय प्राचार्य ने की। राजकीय महाविद्यालय बीबीरानी में डॉ. लोकेश भट्ट द्वारा भारतीय गुरु परम्परा पर मुख्य वक्ता रहे।

राजकीय महाविद्यालय सरदारशहर इकाई द्वारा गुरुवंदन कार्यक्रम संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य डॉ. सुरेन्द्र सोनी ने भी विचार व्यक्त किये। विषय प्रवर्तन डॉ. देवीशंकर शर्मा ने किया तथा कार्यक्रम का संचालन इकाई सचिव डॉ. कविता शर्मा ने किया।

संत सुंदरदास राजकीय कन्या महाविद्यालय दौसा में मुख्य वक्ता प्रो. ओ. पी. गुप्ता रहे। इसी प्रकार राजकीय एल. बी. एस. महाविद्यालय कोटपुतली में कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. ओ. पी. गुप्ता ने की तथा डॉ. आर. सी. खण्डूरी मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ओ. पी. गौड़ एवं आभार डॉ. राजेश जांगिड़ ने ज्ञापित किया। इसी प्रकार राजकीय पानादेवी कन्या महाविद्यालय, कोटपुतली में प्राचार्य डॉ. आर. सी. खण्डूरी ने गुरु शिष्य संबंधों का सिंहावलोकन करते हुए वर्तमान परिदृश्य में गुरु पद को प्रेरणास्पद बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। संगोष्ठी में डॉ. संगीता सिन्हा, डॉ. कान्ता कामरा, डॉ. जयाराय, डॉ. यामिनी चतुर्वेदी एवं डॉ. शिल्पा माथुर ने भी विचार व्यक्त किये।

राजकीय महाविद्यालय, सिरोही में प्रो. आर. सी. गहलोत ने गुरु का स्थान ईश्वर से भी पहले बताया। साथ ही विद्यार्थियों को शिक्षक द्वारा प्रदर्शित मार्ग पर चलने को प्रेरित किया। कार्यक्रम में विभाग सचिव संजय पुरोहित ने भी उद्‌बोधन दिया। यहाँ विद्यार्थियों ने तिलक लगाकर गुरुओं का अभिनंदन किया।

राजकीय कन्या महाविद्यालय श्रीगंगानगर में संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह का मुख्य आतिथ्य रहा। इस अवसर पर संगठन उपाध्यक्ष डॉ. सत्यनारायण शर्मा ने भी विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. सरबणसिंह ने की तथा संचालन प्रो. श्यामलाल ने किया। राज. महाविद्यालय, बून्दी में श्री मार्तण्ड त्रिवेदी एवं प्रो. पूर्णचन्द उपाध्याय ने गुरु की महिमा बताई। अध्यक्षता प्रो. पी. के. सालोदिया ने एवं आभार इकाई सचिव प्रो. जे. के. जैन ने व्यक्त किया। राज. वाणिज्य महाविद्यालय, कोटा में डॉ. अशोक गुप्ता, डॉ. मनमोहन शर्मा एवं प्रो. आनंद जैन ने अपने विचार व्यक्त किये। अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. हरलाल मीणा एवं संचालन दिनेश तिवारी ने किया।

राजकीय महाविद्यालय, बारां में आयोजित संगोष्ठी में मुख्य वक्ता श्री महावीर शर्मा ने राष्ट्र को पुनः विश्व गुरु के रूप में स्थापित करने के लिए द्रौण-अर्जुन की गुरु परम्परा का निर्वहन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में डॉ. सतीश अग्रवाल एवं डॉ. कृष्ण मुरारी मीणा ने भी विचार व्यक्त किये। अध्यक्षता प्राचार्य एस. के. हावा ने एवं संचालन प्रो. रामकेश मीणा ने किया। राजकीय महाविद्यालय भोपालगढ़ में प्राचार्य प्रो. के एस. पंवार की अध्यक्षता में सम्पन्न गुरु-वंदन कार्यक्रम में डॉ. गोविन्द नारायण पुरोहित ने मुख्य विषय रखा।

राजकीय बांगड़ महाविद्यालय पाली में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्तव्य देते हुए जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के प्रो. अखिल रंजन गर्ग ने कहा कि यद्यपि आज के युग में इन्टरनेट, मोबाईल पर सूचना का अथाह भंडार उपलब्ध हैं तथापि जीवन को दिशा गुरु ही दे सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. सुशीला राठी ने की। विषय प्रवर्तन विभाग अध्यक्ष डॉ. भंवरसिंह राठौड़ ने किया। संचालन डॉ. अनुपम चतुर्वेदी ने तथा धन्यवाद प्रो. वी. डी. दवे ने व्यक्त किया।

इसी प्रकार राजकीय एम. एस. जे. महाविद्यालय में श्री दाऊदयाल गुप्ता मुख्य वक्ता थे। कार्यक्रम का संचालन इकाई सचिव डॉ. अनिल सक्सेना एवं धन्यवाद विभाग सचिव डॉ. योगेन्द्र भानु ने ज्ञापित किया।

राजकीय कन्या खैरवाड़ा में डॉ. रेखा भट्ट एवं डॉ. सतीश आचार्य का, राजकीय महाविद्यालय खैरवाड़ा में डॉ. मनोज बहरवाल एवं डॉ. सुदर्शनसिंह राठौड़ का तथा राजकीय महाविद्यालय, ब्यावर में डॉ. के आर. महिया, प्राचार्य डॉ. नलिनी यादव एवं उपाचार्य श्री पी. आर. देपाल का उद्‌बोधन शिक्षक व विद्यार्थी समुदाय को मिला। सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय, अजमेर में डॉ. ग्यारसीलाल जाट ने वर्तमान परिप्रेक्ष्य में शिक्षकों के दायित्व पर विशद विवेचन करते हुए अपना उद्‌बोधन प्रदान किया।

इस प्रकार प्रदेश के लगभग सभी महाविद्यालयों में रुक्टा (रा.) की पहल पर गुरु-वंदन कार्यक्रम एक परम्परा के रूप में स्थापित होता जा रहा है, जिसमें शिक्षक देश व समाज हित में अपने अपेक्षित योगदान पर आत्ममंथन कर स्वयं की सकारात्मक भूमिका तलाशने लगे हैं।

2. **प्रदेश कार्यकारिणी बैठक सम्पन्न** - संगठन की विस्तृत कार्यकारिणी बैठक संगठन अध्यक्ष डॉ. दिग्विजयसिंह की अध्यक्षता में 16 अगस्त को देराश्री शिक्षक सदन जयपुर में सम्पन्न हुई। सर्वप्रथम महामंत्री ने गत कार्यकारिणी बैठक का कार्यवाही विवरण सदन के समक्ष रखा गया। जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। बैठक में महामंत्री द्वारा गत बैठक पश्चात् संगठन की गतिविधियों एवं उपलब्धियों को विस्तार से सदन के समक्ष रखा गया। इसके पश्चात् उपस्थित सदस्यों द्वारा शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं पर विस्तृत विचार विमर्श किया गया, महामंत्री ने इन समस्याओं पर संगठन द्‌वारा हो रहे प्रयासों की जानकारी दी। बैठक में केन्द्र की योजना के अनुसार जुलाई/अगस्त में विभिन्न इकाईयों द्वारा आयोजित गुरु वंदन कार्यक्रमों का विवरण सदन में रखा गया। सभी ने भारतीय गुरु शिष्य परम्परा के आलोक में आयोजित कार्यक्रमों के उद्देश्यों की सकारात्मक पूर्ति पर संतोष प्रकट किया। कार्यकारिणी बैठक में 1 जुलाई को अधिकतम सदस्यता, 1 से 15 जुलाई तक ही सदस्यता संग्रहण एवं सदस्यता राशि सीधे बैंक खाते में ऑनलाईन जमा कराने की नई पहल को सराहा गया तथा इसे अगले सत्र् में जारी रखने का मंतव्य प्रकट किया गया। महामंत्री द्वारा सभी कार्यकर्त्ताओं एवं सक्रिय सदस्यों को अभियान की सफलता हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

बैठक में संगठन के पूर्व अध्यक्ष एवं अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के महामंत्री प्रो. जे. पी. सिंघल द्वारा राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति पद पर कार्यभार ग्रहण पर अभिनंदन किया गया। भोजन पश्चात् सत्र् में विभागीय सम्मेलन की तिथियों एवं स्थान पर चर्चा हुई तथा जिन विभागो में विभाग बैठक करके तिथि स्थान तय नहीं हुए, उनकी सूचना शीघ्र केन्द्र को भिजवाना तय किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व अध्यक्ष प्रो. धर्मचन्दजी जैन ने प्रांतीय अधिवेशन में आयोजन इकाई पर बढ़ते वित्तीय भार पर चिंता व्यक्त की तथा स्वावलंबी अधिवेशन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। इस पर कार्यकारिणी ने आगामी प्रांतीय अधिवेशन से प्रतिभागी पंजीयन शुल्क रखने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया। पंजीयन शुल्क तय करने की जिम्मेदारी संगठन अध्यक्ष एवं महामंत्री को दी गई।

उपस्थित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश संगठन मंत्री डॉ. ग्यारसीलाल जाट ने कहा कि अपना कार्य स्नेह व प्रेम पर आधारित है अत: कार्यक्रमों एवं सदस्यता का आधार नोटिस न होकर व्यक्तिश: सम्पर्क होना चाहिए। अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते हुए डॉ. दिग्विजयसिंह ने कहा कि जो अपेक्षित वह उपस्थित, ऐसी निष्ठा हमें जागृत करने की आवश्यकता है। अन्त में गत बैठक के पश्चात् दिवगंत शिक्षक साथी प्रो. कंवल किशोर मीणा सवाईमाधोपुर, प्रो. एन. वी. सक्सेना बीकानेर, प्रो. के. वी.एस. ढिल्लो श्रीगंगानगर तथा शिक्षक-पूर्व राष्ट्रपति प्रो. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को दो मिनट मौन रख कर श्रद्धांजलि दी गई तथा दिवगंत आत्माओं की सद्‌गति हेतु प्रार्थना की गई। सामूहिक कल्याण मंत्र एवं अध्यक्षजी को धन्यवाद के साथ बैठक संपन्न हुई।

3. **सदस्यता** - पिछले तीन वर्षों से संगठन की सदस्यता सीमित समय में करने की योजना पर कार्य हुआ है। पिछले वर्षों में रहे उत्साहजनक परिणाम के आलोक में इस वर्ष प्रदेश कार्यकारिणी ने संगठन की सदस्यता 1 से 15 जुलाई के मध्य ही एकत्र करने का निर्णय किया गया। सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से सार्थक परिणाम प्राप्त हुए एवं इस सत्र् हेतु राजकीय महाविद्यालयों से 4209, विश्वविद्यालयों से 204, एवं निजी संस्थाओं से 843 शिक्षकों की कुल **5256** सदस्यता प्राप्त हुई है। यह उल्लेखनीय है कि नए सत्र के प्रथम दिन अधिकतम सदस्यता दिवस पर सभी कार्यकर्त्ताओं के सक्रिय योगदान से एक ही दिन में रिकार्ड 4241 सदस्यता का संग्रहण हुआा। विभागवार सदस्यता इस प्रकार है -

भरतपुर (292) - राजकीय महाविद्यालय भरतपुर-125, डीग-12, बयाना-12, धौलपुर-33, कन्या भरतपुर-40, कन्या बयाना-5, कन्या धौलपुर-5, विधि भरतपुर-3, विधि धौलपुर-2, वर्द्धमान विश्वविद्यालय विस्तार केन्द्र 1, बृज विश्वविद्यालय, भरतपुर-4, **निजी महाविद्यालय** अग्रसेन महिला भरतपुर-10, अग्रसेन महिला खेड़ली-5, बाँके बिहारी टी.टी. डीग-3, बाँके बिहारी पी.जी. डीग-2, अग्रसेन कन्या बयाना-5, जगदम्बा कॉलेज बयाना-1, रतनसिंह पी.जी. कुम्हेर-6, कला भारती पी. जी. नदबई-5, श्री राघेय पी. जी नदबई-5, एस.एन. पी. जी. हलेना-2, राघव बैर -6

अलवर (363) - राजकीय महाविद्यालय अलवर-82, कला अलवर-94, थानागाजी-10, गोविन्दगढ़-5, बीबीरानी-12, राजगढ़-46, तिजारा-4, बहरोड़-14, बाँदीकुई-27, कन्या अलवर-61, विधि अलवर-8

जयपुर-I (534) - राजकीय महाविद्यालय जयपुर-25, आयुक्तालय जयपुर-53, संगीत संस्थान-7, स्कूल ऑफ आर्ट्स-14, कोटपुतली-67, चिमनपुरा-107, दौसा-90, महुआ-3, सिकराय-5, लालसोट-20, कन्या कोटपुतली-12, कन्या शाहपुरा-18, कन्या दौसा-23, राजस्थान विश्वविद्यालय-40, **निजी महाविद्यालय** सुबोध जयपुर-20, प्रताप वि. वि. जयपुर-1, एमिटी वि. वि. जयपुर-2, जे. के. एल. वि. वि. जयपुर-3, अग्रवाल जयपुर-2, एन.आई.एम.एस. जयपुर-9, जे.एन.आई.टी, जयपुर-1, जे.ई.सी.आर.सी. जयपुर-1, अग्रसेन टी. टी.,जयपुर-11

जयपुर-II (285) - राजकीय महाविद्यालय टोंक-61, देवली-8, मालपुरा-12, उनियारा-16, निवाई-9, कालाडेरा-90, सांभरलेक-42, कन्या टोंक-11, कन्या चौमूं-36

सवाईमाधोपुर (175) - राजकीय महाविद्यालय सवाईमाधोपुर-51, गंगापुरसिटी-29, खंडार-4, बामनवास-2, करौली-46, हिंडोनसिटी-10, टोडाभीम-5, सपोटरा-5, नादोती-2, कन्या सवाईमाधोपुर-12, कन्या करौली-9

सीकर (550) - राजकीय महाविद्यालय सीकर-116, नीम का थाना-43, रामगढ़ शेखावटी-13, झुंझुनु-17, गुढ़ा-7, नवलगढ़-9, खेतड़ी-33, चुरू-69, सुजानगढ़-24, रतनगढ़-15, तारानगर-11, सरदारशहर-22, कन्या सीकर-6, कन्या होद-4, कन्या नीम का थाना-10, कन्या झुंझुंनु-18, कन्या रतनगढ़-3, कन्या तारानगर-2, विधि सीकर-4, शेखावाटी विश्वविद्यालय सीकर-6, **निजी महाविद्यालय** गौमतीदेवी बड़ागांव-13, एम.डी. विज्ञान झुंझुंनु-9, जे. बी. शाह झुंझुंनु-11, पौद्दार नवलगढ़-11, राजेश पी.जी. पिलानी-20, रमादेवी महिला नुआ-15, आ. के.जे. के.गरासिया सूरतगढ़-20, कृष्णा सत्संग सीकर-6, मित्तल कन्या सरदारशहर-12, श्री शिव कृषि लुक्साजोड़ा सरदारशहर-1

श्रीगंगानगर (521) - राजकीय महाविद्यालय श्रीगंगानगर-41, सूरतगढ़-25, अनुपगढ़-6, हनुमानगढ़-16, नोहर-15, कन्या श्रीगंगानगर-41, कन्या सादुलशहर-7, विधि श्रीगंगानगर-2,

निजी महाविद्यालय एस.डी.पी.जी, श्रीगंगानगर-8, एम. डी.एस.पी.जी. श्रीगंगानगर-23, टैगोर पी.जी सूरतगढ़-6, माता जितोजी सूरतगढ़-5, पी.जी. सूरतगढ़-20, बी.एड. सूरतगढ़-4, भगतसिंह रायसिंहनगर-1, एम.डी. कन्या रायसिंहनगर-10, शकुन्तलम रायसिंहनगर-5, व्यापार मंडल हनुमानगढ़-9, श्री गुरुनानक खालसा हनुमानगढ़-20, बेबी हम्पी मोडल हनुमानगढ़-10, इंदिरा गांधी मेमोरियल पीलीबंगा-10, डॉ. राधाकृष्णन कन्या श्रीगंगानगर-15, मीनाक्षी सेतिया श्रीगंगानगर-10, श्री गुरुनानक कन्या श्रीगंगानगर-5, एस.जी.एन. खालसा अनूपगढ़-6, एच. के. एम. पी. जी घड़साना-6, एम. जे. कुम्हेरिया पी.जी. रावलमंड़ी-6, एस. के. पी.जी. घड़साना-1, चो.के.आर. कन्या घड़साना-3, गीता सह शिक्षा टी.टी. घड़साना-12, एम.डी. रावतसर-15, सरस्वती पूरबसर-7, महावीर जैन हनुमानगढ़-6, राजस्थान कॉलेज फॉर हायर एजुकेशन, जान्दवाली-11, दून कन्या हनुमानगढ़-7, सरस्वती कन्या हनुमानगढ़-14, संस्कार इंटरनेशन महिला हनुमानगढ़-13, बेसिक कॉलेज रावतसर-5, आदर्श शिक्षा समिति रावतसर-5, श्रीपति कन्या पीलीबंगा-6, ग्रा. वी. पीठ गृह विज्ञान महिला संगरिया-16, अम्बिका पल्लू-10, चन्दुराम मेमोरियल भादरा-13, वैदिक रावतसर-12, अपैक्स को. एजू. रावतसर-6, श्री श्याम महिला भादरा-10, परसराम भादरा-5, एस.डी. डिग्री जाखरावाली-12

बीकानेर (406) - **राजकीय महाविद्यालय** बीकानेर-148, नोखा-10, लूणकरणसर-4, नागौर-26, जायल-3, डेगाना-3, मेड़तासिटी-11, डीडवाना-34, कन्या बीकानेर-61, कन्या नागौर-4, विधि बीकानेर-3, विधि नागौर-1, महाराजा गंगसिंह विश्वविद्यालय बीकानेर-19, **निजी महाविद्यालय** बिनानी कन्या बीकानेर-17, जैन कन्या बीकानेर-12, बेसिक पी.जी. बीकानेर-14, श्री डूंगरगढ़ कॉलेज डूंगरगढ़-3, ज्ञान विधि बीकानेर-3, बी.जी.एस. रामपुरिया बीकानेर-10, बी. एल. शिक्षक प्रशिक्षण बीकानेर-1, सिस्टर निवेदिता बीकानेर-9, आदेश नोखा-5, नेहरु शारदापीठ, बीकानेर-5

बाड़मेर (72) - **राजकीय महाविद्यालय** बाड़मेर-26, बालोतरा-8, बायतु-3, पोकरण-1, जैसलमेर-12, गुढ़ामलानी-1, कन्या बाड़मेर-6, कन्या बालोतरा-8, कन्या जैसलमेर-7

जोधपुर (97) - **राजकीय महाविद्यालय** जोधपुर-15, ओसियां-4, फलौदी-1, भोपालगढ-19, बालेसर-5, बिलाड़ा-5, कन्या पीपाड़सिटी-4, जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर-44

पाली (171) - **राजकीय महाविद्यालय** पाली-58, सोजतसिटी-5, जैतारण-9, बाली-6, सुमेरपुर-1, जालौर-16, भीनमाल-2, सिरोही-27, शिवगंज-6, आबुरोड़-13, कन्या पाली-11, कन्या जालौर-9, कन्या सिरोही-5, विधि पाली-2, विधि सिरोही-1

बांसवाड़ा (88) - **राजकीय महाविद्यालय** बांसवाड़ा-33, कुशलगढ़-1, सागवाड़ा-2, डूंगरपुर-31, कन्या बांसवाड़ा-14, कन्या डूंगरपुर-7

उदयपुर (343) - **राजकीय महाविद्यालय** खैरवाड़ा-21, सराडा-2, सलुम्बर-11, राजसमंद-13, नाथद्वारा-47, भीम-4, कन्या उदयपुर-136, कन्या खैरवाड़ा-9, कन्या नाथद्वारा-16, मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय, उदयपुर-31, **निजी महाविद्यालय** बी.एन. उदयपुर-32, बी. एन. पी.जी. गर्ल्स उदयपुर-16, बी. एन. सी. पी.ई. उदयपुर-4, श्रमजीवी कॉलेज उदयपुर-1

चित्तौड़ (106) - **राजकीय महाविद्यालय** चित्तौड़गढ़-47, कपासन-5, निम्बाहेड़ा-7, मंडफिया-5, प्रतापगढ़-11, धरियावाद-1, रावतभाटा-8, बेगुं-10, कन्या चित्तौड़गढ़-12

भीलवाड़ा (152) - **राजकीय महाविद्यालय** भीलवाड़ा-84, आसींद-4, मांडलगढ़-2, शाहपुरा-17, कन्या भीलवाड़ा-42, विधि भीलवाड़ा-3

अजमेर (507) - राजकीय महाविद्यालय अजमेर-208, केकड़ी-15, ब्यावर-72, किशनगढ़-57, नसीराबाद-34, पुष्कर-11, कन्या अजमेर-37, कन्या सरवाड़-5, विधि अजमेर-6, एम. डी. एस. विश्वविद्यालय, अजमेर-15, **निजी महाविद्यालय** दयानंद अजमेर-12, बी.एड. हटुण्डी-1, आर्य बालिका ब्यावर-15, वर्द्धमान बालिका ब्यावर-18, जियालाल शिक्षक प्रशिक्षण अजमेर-1

कोटा (487) - राजकीय महाविद्यालय कोटा-93, विज्ञान कोटा-67, वाणिज्य कोटा-27, रामगंजमंड़ी-3, सांगोद-5, बूंदी-58, कन्या कोटा-111, कन्या बूंदी-10, कोटा विश्वविद्यालय कोटा-25, वर्द्धमान खुला विश्वविद्यालय कोटा-19, **निजी महाविद्यालय** सीक्रेड हार्ट कोटा-1, भगवान आदिनाथ नैनवां-9, अकलंक गर्ल्स पी.जी. कोटा-14, रुक्मणिदेवी जटिया रामगंजमंड़ी-3, एम. डी. मिशन कोटा-3, एम. एल. एम. कोटा-5, संजीवनी अकतासा -7, महाराजा मूलसिंह लखेरी-7, माँ भारती कोटा-20

बारां (107) - राजकीय महाविद्यालय बारां-32, केलवाड़ा-3, झालावाड़-35, भवानीमंड़ी-5, कन्या बारां-4, कन्या झालावाड़-8, **निजी महाविद्यालय** जैन विश्व भारती छबड़ा-16, प्रेमसिंह सिंघवी छीपाबड़ोद-4

4. **शिक्षक सम्मान निधि** - अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ द्वारा प्रतिवर्ष प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा हेतु अद्वितीय एवं अविस्मरणीय योगदान देने वाले शिक्षकों के सम्मान के निमित्त एक अक्षय कोष के स्थापना की योजना बनाई गई है। इस हेतु शिक्षक साथियों से 100 रुपये की राशि का सहयोग प्रदान करने का आग्रह पिछले परिपत्र में किया गया था। संगठन के आग्रह पर राज्य के 4400 से अधिक महाविद्यालय शिक्षक साथियों की सहयोग राशि प्राप्त हुई है, एतदर्थ सभी को बहुत-बहुत साधुवाद।

5. **इकाइयों द्वारा सम्पन्न विशेष कार्यक्रम** - राजकीय महाविद्यालय नसीराबाद में 28 अगस्त को रक्षा बंधन पर्व समारोह पूर्वक बनाया गया। समारोह में डॉ. शचिरानी दुबे, विभाग सचिव प्रो. अनिल गुप्ता एवं डॉ. गजेन्द्र मोहन ने इस पावन पर्व के महत्त्व एवं एतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. कल्पना गौड़ ने तथा संचालन इकाई सहसचिव डॉ. कमलेश रावत ने किया। कार्यक्रम उपरान्त सभी शिक्षक साथियों ने एक दूसरे को मिठाई खिलाकर रक्षा सूत्र बांधा। राजकीय जी.डी. कन्या महाविद्यालय अलवर में संगठन इकाई द्वारा महाविद्यालय परिसर में गुड़हल, कचनार एवं चांदनी के पौधे लगाये। इस अवसर पर डॉ. रचना आसोपा, डॉ. ऋतु गुप्ता, डॉ. शैफाली बार्थोनिया, डॉ. डी.सी. चौबे, डॉ. भवनाथ पाण्डे सहित अनेक सदस्यों ने सहयोग दिया। राजकीय स्नात्तकोतर महाविद्यालय, टोंक की संगठन इकाई द्वारा भी परिसर में डॉ. के. एल. गुर्जर एवं डॉ. रामस्वरूप मीणा के नेतृत्व में पौधारोपण किया गया।

अभिनंदन

प्रो. जे. पी. सिंघल के कुलपति पद पर नियुक्ति का स्वागत - रुक्टा (राष्ट्रीय) ने राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर के कुलपति पद पर प्रो. जे. पी. सिंघल की नियुक्ति का स्वागत किया है। प्रो. जे. पी. सिंघल एक कर्तव्यनिष्ठ शिक्षक, सरल हृदय व्यक्ति व संगठन में लम्बे समय तक दायित्ववान कार्यकर्ता रहे हैं। राजस्थान विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में उनकी नियुक्ति विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं संस्था के प्रति निश्चय ही लाभकारक सिद्ध होगी। संगठन, समाज एवं शिक्षा के क्षेत्र में कार्यों का उनका अनुभव एक ऐसा प्रशासन, शैक्षणिक वातावरण एवं संस्था का विकास उपलब्ध करायेगा, जिसमें संवाद, निर्णय क्षमता व सकारात्मकता की कोई कमी नहीं रहेगी। संगठन कामना करता है कि प्रोफेसर सिंघल के कार्यकाल में राजस्थान विश्वविद्यालय अपनी ऐतिहासिक महत्ता को पुनः स्थापित कर देश में पुनः विशिष्ट पहचान बनाएगा।

प्रो. एन. के. पांडे की नियुक्ति का स्वागत - प्रो. नन्द किशोर पाण्डेय के केन्द्रीय हिन्दी संस्थान आगरा के निदेशक पद पर नियुक्ति रुक्टा (राष्ट्रीय) स्वागत करता है। प्रो. पाण्डेय राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर में हिन्दी विभाग से सम्बद्ध रहे हैं एवं संगठन के विभिन्न दायित्वों का कुशलता पूर्वक निर्वहन किया है। हिन्दी के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, उनकी शैक्षिक गुणवत्ता एवं कार्यशैली इस संस्थान को निरन्तर ऊँचाई की ओर ले जाने में सहयोगी रहेगी यही संगठन की उनसे अपेक्षा एवं शुभकामना है।

श्रद्धांजलि

डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के निधन पर श्रद्धांजलि - भारत के 11 वें राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम का देहावसान शैक्षिक क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति है। डॉ. कलाम एक वैज्ञानिक, चिंतक, शिक्षक, राजनैतिक-सामाजिक क्षेत्र के विशिष्ट व्यक्तित्व के रूप में याद किये जायेंगे परन्तु स्वयं उन्हीं के शब्दों में ''मैं स्वयं को एक शिक्षक के रूप में याद किया जाना पसन्द करूँगा'', शैक्षिक क्षेत्र की गरिमा में वृद्धि करने वाला वक्तव्य है। डॉ. कलाम का जीवन एक जिज्ञासु विद्यार्थी से अन्तर्राष्ट्रीय मार्गदर्शक बनने की कहानी है। उनकी जीवन यात्रा किसी भी शिक्षक की आदर्श अभिव्यक्ति को प्रकट करती है जो एक गंभीर अनुशासित अध्ययन को अपनी रुचि बनाता है सत्य-निष्ठा के साथ शिक्षक धर्म का निर्वहन करता है और एक सुनागरिक का व्यवहार दर्शाते हुए अपने सामाजिक दायित्वों के साथ राष्ट्रीय विकास में सहयोगी बनता है। ऐसे महान् शिक्षक के आकस्मिक निधन पर रुक्टा (राष्ट्रीय) गहन शोक व्यक्त करता है तथा दिवगंत आत्मा को श्रद्धांजलि देते हुए उनके दर्शाए मार्ग पर अपनी शैक्षिक यात्रा जारी रखने का संकल्प व्यक्त करता है।

आगामी कार्यक्रम

विभाग सम्मेलन - इस सत्र में सभी विभागों के विभागीय सम्मेलन का आयोजन सितम्बर-अक्टूबर माह में आयोजित करना प्रस्तावित है। विभागीय सम्मेलन में अधिकाधिक शिक्षक साथियों की सहभागिता अपेक्षित है। शिक्षक साथियों में आत्मीयता व स्नेह बढ़ाने एवं केन्द्र से सीधे संवाद के उद्देश्य से आयोजित किये जाने वाले इन विभागीय सम्मेलनों में संगठन के वैचारिक अधिष्ठान एवं शिक्षक/शिक्षा की समस्याओं पर गहन चिंतन प्रबोधन होगा।

साभार।

भवदीय

(डॉ. नारायणलाल गुप्ता)

20, चित्रकूट कॉलोनी,
माकड़वाली रोड़, अजमेर-305004

अमृत वचन

हमारा संविधान जातिगत प्रतिबन्धों को नहीं मानता और अस्पृश्यता की प्रथा उसकी दृष्टि में अपराध है। परन्तु वैधानिक प्रावधान ही पर्याप्त नहीं है। हमें विचार करने की अपनी आदतों और आचरण की प्रवृत्तियों को बदलने के लिए प्रशिक्षित किया जाना चाहिए। यदि हमें अपने देशवासियों की विभिन्न श्रेणियों को सर्वनिष्ठ लक्ष्य वाले एक ही समाज में संग्रथित करना है तो अपेक्षाकृत दुर्बल कड़ियों को सुदृढ़ करना आवश्यक है। - 'डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन'